हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

01965

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2009

एम.एच.डी.-1 : हिन्दी काव्य-1

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रथम प्रश्न **अनिवार्य** है। शेष में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **10x2=20**

(a) पानी बिच मीन पियासी।
मोंहिं सुन सुन आवै हाँसी।।
घर में वस्तु नजर नहिं आवत।
बन बन फिरत उदासी।।
आत्मज्ञान बिना जग झूँठा।
क्या मथुरा क्या कासी।

(b) अबलौ नसानी, अब न नसै हौं
रामकृपा भव-निसा सिदानी जागे पुनि न डसै हौं।।
पायो नाम चारुचिंतामनि, उर कर ते न खसै हौं।
स्यामरूप सुचि रूचिर कसौटी, चित कंचनहिं कसै हौं।
परबस जानि हँस्यो इन इन्द्रिन, निज बस है न हँसै हौं।
मन मधुकर पन कै तुलसी रघुपति-पद-कमल-बसै हौं।

(c) अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बांक नहीं।
तहाँ साँचे चले तजि आपनपौ झझकै कपटी जे निसोंक नहीं।
घन आनंद प्यारे सुजान सुनौ यहाँ एक ते दूसरी आँक नहीं।
तुम कौन धौ पाटी पढ़े हौ कहौं मन लेहु पै देहु छटाँक नही।।

(d) आई खेलि होरी घरै नवल किशोरी कहूं,
बोरी गई रंग में सुगंधन झकोरै है।
कहै पद्माकर इकंत चलि चौकी चढ़ी,
हारन के बारन के फंद बंद घो रै हैं।।

2. पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता-अप्रामाणिकता से सम्बन्धित बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए। 10

3. तुलसीदास के भक्तिभावना का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 10

4. कबीर की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए। 10

5. पद्मावत में निहित लोकजीवन की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। 10

6. सूर-काव्य में प्रेमानुभूति के वैशिष्ट्य को उद्घाटित कीजिए। 10

7. मीरा की विद्रोही चेतना का महत्व प्रतिपादित कीजिए। 10

8. श्रृंगार के कवि के रूप में बिहारी का मूल्यांकन कीजिए। 10

- o O o -